PART-1

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- फर्डीनन्ड मैगेलन

भाग:- 1

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

(4) फर्डीनन्ड मैगेलन (Ferdinand Magellan)

प्रसिद्ध समुद्री यात्री फर्डीनन्ड मैगेलन (1480-1521) का जन्म पुर्तगाल में सबरोसा (Subrosa) नामक स्थान पर हुआ था। बह पूर्वी द्वीपसमूह में पुर्तगाली सेना में एक सैनिक था जिसने पुर्तगाल

द्वारा मलक्का विजय में भाग लिया था। 1514 में उसने पुर्तगाल छोड़कर स्पेन की नागरिकता स्वीकार कर ली थी।

मैगेलन ने राजकीय सहायता से 230 नाविकों के दल के साथ पूर्वी द्वीप समूह के लिए पश्चिम की ओर से समुद्री मार्ग की खोज करने के उद्देश्य से 20 सितम्बर, 1519 को स्पेन के सेविले (Seville) बन्दरगाह से प्रस्थान किया। ब्राजील के पूर्वी तट से दक्षिण की ओर आगे बढ़ते हुए यह चालक दल अक्टूबर, 1520 को दक्षिणी अमेरिका के दक्षिणी छोर पर स्थित जल संधि से होकर प्रशांत महासागर में प्रवेश किया। इसी के नाम पर इस जलसंधि को मैगेलन जलसंधि कहा जाता है। प्रशांत महासागर में मैंगेलन का चालक दल 110 दिनों तक बिना किसी तूफानी प्रतिरोध के लगातार यात्रा करता रहा किन्तु अभी एशिया तक नहीं पहुँच पाया था। खाद्य सामग्री समाप्त हो चुकी होने के कारण वे लोग भूख बेहाल रहने लगे। उसी बीच स्कर्वी बीमारी फैलने से यात्री दल के 19 लोगों की मृत्यु हो गयी और अनेक कमजोर और काम करने में असमर्थ हो गये।